Price ₹ 5/-

हृदय और धड़कन

वर्ष-11, अंक-128, अगस्त 20, 2020

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांख्ला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980		

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांख्ला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

कोरोनरी एन्जियोग्राफी

हृदय की धमनियों में एथेरोस्क्लेरोसिस के कारण अवरोध आ जाता है। इस अवरोध के कारण हृदय को पूरा रक्त नहीं मिलता है जिससे उसको पूरा पोषण और प्राणवायु नहीं मिलता है और एन्जायना पेक्टोरिस या हार्ट अटैक हो सकता है। इसलिए कोरोनरी धमनी में रुकावट कहां है ये ढूंढना और ऐसी बंद धमनियों को खोलना ये 'कार्डियोलोजिस्ट' का मुख्य लक्ष्य होता है।

हृदय की यह जांच कार्डियाक केथेटराइजेशन से होती है। इस कार्यपद्धति के द्वारा हृदय की रक्तवाहिनियां चौड़ी है या नहीं ये जांच की जाती है। ऐसा करते समय हृदयरोग विशेषज्ञ हृदय के अंदर के दबाव को नापते हैं। एक्स रे किरणों के लिए अपारदर्शक दवा (डाई-Dye) इन्जेक्शन के द्वारा हृदय में डाली जाती है। एक्स रे द्वारा हृदय को रक्त पहुंचाती धमनियों की चलचित्र जैसी तस्वीर लेते हैं और हृदय कितनी ज्यादा या कम क्षमता से धड़कता है तथा रक्त वाहिनियों में रुकावट है कि नहीं उसका मूल्यांकन करते है। इसके अलावा कई जन्मजात कमियों के लिए, वाल्व की तकलीफों के लिए तथा कमजोर हृदय के लिए भी कार्डियाक केथेटराइजेशन किया जाता है ।

रेडियल आर्टरी (कलाई की / हाथ की धमनी) एन्जियोग्राफी और एन्जियोप्लास्टी

25 साल में दिशाए बदल गई । आज भी हम जब 2012 में प्रवेश कर रहे है तब कोरोनरी एन्जियोग्रॉफी में डॉक्टरो के अंगत द्रष्टिकोण मुताबिक 25 साल पहले यानि की 1985 में जब जांध (फेमारेल) की पद्धति का उपयोग करने की तालीम ली उस समय रेडियल (हाथ की धमनी द्वारा) पध्धति का उपयोग नही होता था । 1980 की साल के अंत के भाग में फ्रेन्च-केनेडियन फिजिशियन डॉ. लुसीन केम्पीउ ने राइट रेडियल आर्टरी का उपयोग डायोग्नोस्टिक केथेराइजेशन के लिये किया था और 1992 तक डॉ. क्रिमेनिइ और उसके साथीओ ने रेडियल आर्टरी के उपयोग - इन्टरवेन्शनल पद्धति जैसे कि डिलिवरिंग बलुन्स एन्ड स्ट्रेन्टस के लिये किये जाने वाले रास्ते की जाँच की थी । डॉक्टर के अनुभव की बात करे तो सीम्स अस्पताल के हमारे साथीओने 2000 के साल से रेडियल की ओर का रास्ता अपनाया और 2011 तक 25,000 से भी ज्याद रेडियल प्रोसिजर्स की है । यह भारत में सबसे बडी संख्या में से एक गिनी जाती है । हम महीने में 500 से उपर रेडियल आर्टरी (हाथकी) धमनी से प्रक्रिया करते है । इसके अनुसंधान में इन्डियन हार्ट जर्नल और गुजरात मेडिकल जर्नल में लेख लिखे गए है ।

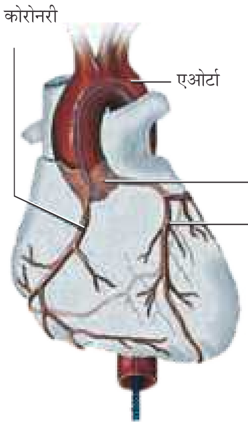

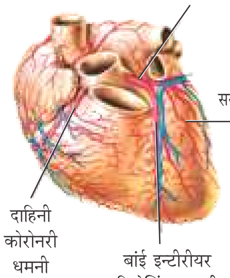

सामान्य डॉक्टर व विशेषज्ञ के बीच अंतर

जनरल फिज़िशियन, इन्वेज़िव कार्डियोलोजिस्ट और इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजिस्ट (General Physician, Invasive Cardiologist अथवा Interventional Cardiologist) क्या हैं?

इसके बारे में अब हम कुछ जानते है :- जो हृदयरोग विशेषज्ञ केवल एन्जियोग्राफी व एन्जियोप्लास्टी जैसे काम करते हैं उनको Invasive or Interventional Cardiologist कहा जाता है। जो हृदयरोग विशेषज्ञ इस प्रकार की प्रक्रिया नहीं करते हैं, केवल रोगो का निदान करते हैं उन्हे जनरल फिजिशियन या नॉन- इन्वेज़िव कार्डियोलोजिस्ट (Non-Invasive Cardiologist) कहा जाता है।

जो हृदयरोग विशेषज्ञ शल्यक्रिया द्वारा इलाज करते हैं उन्हें कार्डियक सर्जन (Cardiac Surgeon) कहते हैं।

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence
CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES Earning Trust with World-Class Practices

कैथ प्रयोगशाला अथवा कैथ लेब

कार्डियाक कैथेटराइजेशन लेबोरेटरी (कैथ लेब) के नाम से पहचाने जाने वाले एक खास कमरे में कार्डियाक कैथेटराइजेशन किया जाता है। उस कमरे के अंदर एक्स रे मशीन और कैमरे वाली एक टेबल होती है। इस टेबल पर रोगी को सुलाया जाता है। उसके चारों तरफ एक्स रे और कैमरा गोल गोल घुमाया जा सके ऐसी व्यवस्था होती है।

हाथ की धमनी से हृदय में केथेटर डाल कर उसके द्वारा एक्स रे में भी दिखे वैसी दवा अथवा डाइ इन्जेक्शन द्वारा हृदय की धमनी में डाल कर जब हृदय धड़के तब साथ वाला कैमरा हृदय की धमनियों की फोटो लेकर उसे सी.डी. पर उतारता है।

प्लम्बिंग

प्लम्बिंग का मतलब है मकान में नलों का काम और प्लम्बर मतलब प्लम्बिंग करने वाला कारीगर। जिस तरह पानी के नलों के अन्दर खार जम जाता है, और वे बंद हो जाते हैं, उसी तरह हृदय की कोरोनरी धमनियों में भी अंदर की तह जम जाती है और वह संकरी हो जाती हैं, या बंद भी हो सकती है। इसे एथरोस्कलेरोसिस कहते हैं।

हृदय के प्लम्बर, अर्थात् हृदय की बंद धमनियों को खोलने वाले कार्डियोलोजिस्ट हृदय की प्लम्बिंग की कमियों को यानि की हृदय की धमनियों के अन्दर रुकावटों को ढूंढते हैं।

हृदय की धमनियां

हमने देखा कि रक्त हृदय की धमनियों के अंदर से प्रवाहित होता है। फिर भी हृदय अपना पोषण और ऑक्सीजन हृदय की धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज़) नाम की खास धमनियों में से ही लेता है।

हृदय की दो मुख्य धमनियां होती हैं, हृदय की बांई धमनी और हृदय की दांई धमनी (Left Coronary Artery, LCA and Right Coronary Artery, RCA) दोनों का उद्भव स्थल है महाधमनी, यानि कि अपने शरीर की मुख्य धमनी (Aorta)। हृदय की बांई धमनी को बांई मुख्य धमनी (Left Main) भी कहा जाता है, इसके दो भाग पड़ते हैं, बांई तरफ से नीचे की तरफ जाती हुई धमनी (लेफ्ट एन्टिरियर डिसेन्डिंग आर्टरी, एल.ए.डी. LAD) और बांई सर्कमफ्लेक्स धमनी (एल.सी.एक्स., LCX)। हृदय के दांई ओर नीचे की ओर रक्त प्रवहन करती धमनी को (आर.सी.ए., RCA) कहते हैं इस प्रकार हृदय की कुल तीन धमनियां हैं।

डॉक्टर मरीज को ऐसी दवा लिखते हैं जिसकी उनको कम जानकारी हो। यह दवा ऐसे रोग के लिए लिखते हैं जिसके बारे में उन्हें बहुत कम जानकारी हो, और ऐसे व्यक्ति के लिए लिखते हैं जिनके बारे में वे बिल्कुल नहीं जानते।

सामान्य रूप से अवरोध इन तीन धमनियों में होता है। यह अवरोध परक्यूटेनियस ट्रान्स-ल्युमिनल कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी यानि कि पी.टी.सी.ए. (Percutaneous Transluminal Coronary Angioplasty or PTCA) द्वारा खोल देते हैं, या कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट (Coronary Artery Bypass Graft or CABG) के द्वारा बाय पास किया जाता है, अर्थात् रक्त के लिए नई नलियां डाली जाती हैं। कई बार दवाईओं से भी इलाज होता है।

९० प्रतिशत बंद धमनी

कार्डियाक केथेटराइजेशन किस प्रकार किया जाता है?

कार्डियाक केथेटराइजेशन आउटडोर पेशेंट व इनडोर पेशेंट पर हो सकता है आउट डोर पेशेंट यानि कि रोगी सवेरे अस्पताल में आए, और सामान्यतया केथेटराईजेशन पूरा होने पर कुछ घंटे आराम करके वापस चला जाए। अगर मरीज की तबियत अच्छी न हो तो ही उसे भर्ती करने की आवश्यकता पड़ती है।

केथेटराइजेशन के ६ से ८ घंटे पहले से मरीज को कुछ भी नहीं खाना चाहिए। उसके हाथ के भाग की हजामत कर साफ किया जाता है। जब मरीज खास केथ लेब टेबल पर आ जाता है तब उसे हल्की बेहोशी की दवा दी जाती है, जिससे उसे आराम रहे, हाथ में सुन्न करने की दवा (Local Anaesthesia) लगाई जाती है जिससे केथेटर डालते समय मरीज को दर्द न हो, दो मि.मि. चौड़ी स्ट्रॉ जैसी एक संकरी नली हाथ की धमनी में डाली जाती है। केथेटर इस नली के अंदर से प्रसार कर हाथ में व इसके बाद महाधमनी के अंदर से हृदय तक पहुंचाया जाता है।

शुरुआत में विशिष्ट प्रकार के केथेटर को बांई मुख्य धमनी

स्वर्ग में प्रवेश के लिए एक डॉक्टर, एक इंजीनियर, व एक वकील खड़े थे। भगवान ने कहा 'एक ही जगह खाली है और वह जगह सबसे पुराने व्यवसाय वाले व्यक्ति को मिलेगी।'

'सबसे पुराना व्यवसाय तो मेरा है' डॉक्टर बोला 'जब प्रभू ने आदम में से ईव बनाई यह एक ऑपरेशन का उदाहरण है। इसलिए काट-पीट ही सबसे पुराना व्यवसाय हुआ।'

'ना..., ना... पहले मेरी बात सुनो।' इंजीनियर बोला, 'आदम और ईव बनाने के पहले प्रभू ने आकाश में बहती धूल और अस्त-व्यस्त वस्तुओं में से पृथ्वी और तारों को बनाया, इसलिए मेरा व्यवसाय सबसे पुराना हुआ।'

'अरे भाई आकाश में बहती धूल और अस्त व्यस्त वस्तुएं वहां पर रखी किसने?' वकील ने पूछा।

अथवा हृदय की दांई धमनी में से प्रसार किया जाता है। एक्स रे के द्वारा चित्र लिए जाते हैं। कैमरे के द्वारा मरीज के आस-पास गोल गोल घुमाकर हृदय की धमनियों को अलग - अलग कोणों से देखा जाता है और इन दृश्यों को सी.डी. के ऊपर अंकित किया जाता है।

हाथ की धमनी (रेडियल आर्टरी) में से एन्जियोग्राफी करने के बाद मरीज आराम से बेठ और चल सकता है ।

किरणों के कारण अपारदर्शक दवा (डाई-dye) हृदय की धमनियों और उनकी शाखाओं में जाती हुई देखी जा सकती है। हृदय की अन्य धमनियों की भी इसी तरह तस्वीरें ली जाती हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया में सामान्यतया १ मिनट का समय लगता है।

कैथटराइजेशन के पश्चात्

जब हृदयरोग विशेषज्ञ निदान के बारे में पूर्ण संतुष्ट हो जाते हैं तब केथेटर व उसके साथ वाली नली निकाल दी जाती है। हाथ के छेद को बंद करने के लिए नर्स हाथ को दबाती है,और उस पर साधारण ड्रेसिंग कर दी जाती है।

मरीज को कुछ घंटो के लिए पीठ के बल सीधा सोना जरूरी है। पर उसके बाद मरीज तुरंत चल सकता है। हाथ में की हुई केथेटराइजेशन के बाद मरीज कुछ समय में ही चल सकता है।

मिसेज शाहने अपने बच्चे का इलाज करवाया लेकिन डाक्टर साहब का बिल देखकर भडक गई। डाक्टर साहब पर ठर्राकर बरसी, 'आप इतना अधिक कैसे वसूल रहे है? मेरे बच्चे को तो मामूली फ्ल्यू वायरल बुखार ही हुआ था।'

डाक्टर साहबने कहा, 'मैडम! मैंने करीब १०-१२ बार आपके बच्चे का परिक्षण किया हैं, मैं आपके घर पर भी दो बार विज़िट पर आया था।'

मिसेज शाहने तत्परता से कहा, 'लेकिन डाक्टर साहब, आप यह भूल रहे हैं कि मेरे मोन्टूने अपने फ्ल्यू के चेप को पुरी स्कूल में फैलाया था। क्या आपको याद हैं मोन्टू के बाद आपको कितने और मरीज़ मिले?'

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence
CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सुरक्षा और खतरा

कार्डियाक केथेटराइज़ेशन वास्तव में सुरक्षित होता है पर फिर भी उसमें रक्तस्राव ब्लीडिंग, छूत से अथवा एक्स-रे में दिखे ऐसी दवा के कारण ऐलर्जी आदि जैसी तकलीफों का थोड़ा -सा खतरा (१००० में से १ किस्सा) रहता है। हृदयरोग का हमला, बेहोशी अथवा मृत्यु जैसी गंभीर समस्याओं के उत्पन्न होने की संभावना काफी कम होती है। लगभग २०००में से एक रोगी को ही हो सकती है,खासकर उनको जिनके हृदय में पहले से ही तकलीफ हो।

सौजन्य : हृदय की बात दिलसे - लेखक : डॉ. केयूर परीख

सीम्स अस्पताल

15 TAVI

(ट्रान्सकेथेटर अेओर्टीक वाल्व ईम्प्लान्टेशन)

Balloon Expandable Valve

Self Expanding Supra-Annular Valve

सर्जरी के बिना रोगग्रस्त वाल्व को बदलने की प्रक्रिया

गुजरात में सब से ज्यादा

अस्पताल में 100 % सफलता

भारत मे अग्रेसर हृदयरोग सारवार टीम

“सीम्स ईस्ट” अस्पताल (नोन-कोविड अस्पताल)

कोविड समय के दौरान सभी नोन-कोविड देखभाल प्रदान करना

कोविड महामारी के दौरान हाई रीस्क सर्जरी

✓ मार्च ✓ अप्रिल ✓ मई ✓ जून ✓ जूलाई

- ट्रान्सप्लान्ट
- कार्डियाक सायन्स
- ओर्थोपेडीक
- ट्रोमा
- जी.आइ. सर्जरी
- वास्क्युलर
- केन्सर सर्जरी
- न्यूरो एन्ड स्पाईन सर्जरी
- ओब्स्ट्रेटीक्स एन्ड गायनेकोलोजी
- युरोलोजी
- पीडियाट्रीक्स
- ई.एन.टी.

भंयकर महामारी में मरीजो की सेवा के लिए द्रडता से खडा अस्पताल

सीम्स ब्लड बेंक

मान्यता प्राप्त

प्लाज्मा डोनेशन सेन्टर

प्लाज्मा ट्रीटमेन्ट को अब कोरोना वायरस के लिए महत्वपूर्ण उपचार के रुप में मान्यता दी गई है।

यदि आप किसी को पहचानते हैं
(ईलाज हो गये कोविड मरीज़)
जो प्लाज्मा का दान कर सकता है या
किसी को जिसे प्लाज्मा की जरुरत है

संपर्क करे
ब्लड ट्रान्सफ्युशन ओफिसर
डॉ. हार्दिक रावल +91 73830 29853

कृपया प्लाज्मा दान के लिए जागृत करे

हर समय आपके साथ...

सीम्स क्रिटीकल केयर

24 X 7 मल्टी-स्पेश्यालीटी सुविधाये
कम से कम ईन्फेक्शन दर
प्रशिक्षित तत्कालीन सारवार स्टाफ
अद्यतन रीहेबीलीटेशन सेवायें

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल लीवर ट्रान्सप्लान्ट

गुजरात में दो साल की मासूम का लीवर प्रत्यारोपण, मां ने ही दिया लिवर का हिस्सा

कोरोना महामारी के समय में

अहमदाबाद की सीम्स अस्पताल में
दो साल की हिरवा का लीवर प्रत्यारोपण किया

अभी तक
6 लीवर प्रत्यारोपण करने में आये है ।
सब में 100 प्रतिशत सफलता

धन्यवाद,
लीवर ट्रान्सप्लान्ट टीम, सीम्स फाउन्डेशन और अन्य दातोओ का

सीम्स अस्पताल

हृदय प्रत्यारोपण के लिए
गुजरात का सब से पहला और एकमात्र केन्द्र

100th

हार्ट ट्रान्सप्लान्ट

जुलाई 2020

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 1059/1060

सीम्स अस्पताल

यूएस न्यूज़वीक मैगेज़ीन (2020) द्वारा भारत एवं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक में स्थान दिया गया

WORLD'S BEST HOSPITALS 2020
Newsweek
POWERED BY statista
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCE

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices